हिन्दी प्रादेशिक समाचार

आकाशवाणी चंडीगढ़

(तिथि 23 फ़रवरी 2026, समय 1305 (5 मिनट)

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया है कि भारत ने अंगदान तथा प्रत्यारोपण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन ने देश भर में अंगदान, आवंटन और प्रत्यारोपण में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है। देश में प्रत्यारोपण की संख्या 2013 में 5 हजार से कम थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर लगभग 20 हजार हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि वर्तमान में लगभग 18 प्रतिशत प्रत्यारोपण मृत दाताओं द्वारा दान किए गए अंगों का उपयोग करके किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कल 'मन की बात' कार्यक्रम में अंगदान के महत्व का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश में अंगदान के प्रति जागरूकता ब□ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान कांग्रेस के आचरण की आलोचना की है। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के शर्टलेस विरोध प्रदर्शन पर पार्टी की निंदा की और कहा कि इस प्रदर्शन से पता चलता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी वैचारिक रूप दिवालिया हो गई है।

श्री मोदी ने कहा –

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा कि इससे देश की छवि धूमिल हुई है।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मार्गरेट अल्वा ने दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन की आलोचना की। मीडिया के सवालों का जवाब देत हुए सुश्री अल्वा ने कहा कि ऐसे अवसरों पर जिम्मेदारी के साथ व्यवहार की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के दौरान गरिमा, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना बनाए रखनी चाहिए।

चंडीगढ़ ललित कला अकादमी द्वारा 'वॉइसेस ऑफ़ रेज़िलिएंस' शीर्षक से सेक्टर 17 अंडर पास में एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है , जिसमें 23 प्रतिभाशाली दिव्यांग कलाकारों की कृतियां प्रदर्शित की गई है। ललित कला अकादमी के अध्यक्ष श्री भीम मल्होत्रा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में उन कलाकारों की कृतियों को उजागर करने के लिए मंच उपलब्ध कराया गया है जिन्होंने शारीरिक चुनौतियों पर विजय प्राप्त की है। प्रदर्शनी कल शाम तक सभी के लिए खुली रहेगी।

पारंपरिक लोकनाट्य विधा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज से 27 फरवरी तक कुरुक्षेत्र में पांच दिवसीय सांग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रदेशभर के कलाकार सांग की प्रस्तुति देंगे। एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि सूचना, लोक संपर्क एवं भाषा विभाग हरियाणा द्वारा 'श्री धनपत सिंह सांगी स्मृति पुरस्कार' के उपलक्ष्य में इस भव्य 'सांग महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से ब्रह्मसरोवर के नजदीक हरियाणा कला परिषद के कलाकृति भवन में आयोजित किया जाएगा। 'सांग महोत्सव' में हरियाणा की समृद्ध लोकनाट्य परंपरा 'सांग' की प्रस्तुतियां प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कलाकारों द्वारा दी जाएंगी। पांच दिवसीय इस सांस्कृतिक आयोजन में कुल 24 सांग प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें ऐतिहासिक, पौराणिक एवं लोककथाओं पर आधारित कथानक शामिल हैं।उन्होंने बताया कि आज सांग महोत्सव के अंतर्गत 'वीर विक्रमजीत', 'हीर-रांझा', 'राजा नल दमयंती' और 'पिंगला भरथरी' जैसे सांग मंचित हो रहे हैं। कल 'हीरामल्ल जमाल', 'जानी चोर', 'बणदेवी', 'गोपी चंद' और 'चंद्र प्रभा मदनपाल' की प्रस्तुतियां होंगी। परसों 'लीलो चमन', 'बणदेवी', 'पिंगला भरथरी', 'शाही लकड़हारा' और 'दुष्यंत शकुंतला' जैसे सांग दर्शकों को आकर्षित करेंगे। 26 फरवरी को 'बणदेवी ', 'राजा नल दमयंती', 'हीरा मल्ल जमाल', 'गोपी चंद' और 'सेठ ताराचंद' का मंचन किया जाएगा। वहीं समापन दिवस पर 27 फरवरी को 'धर्म की जीत', 'बणदेवी ', 'राजा उत्तानपाद ध्रुव का जन्म' और 'विराट पर्व' जैसे सांग प्रस्तुत किए जाएंगे।